इजिस्टर्ड नं 0 वी 0/एस 0 एम 0 14.

1501-राजपत्र/87-14-7-87---1,220.



## राजपन्न, हिमाचल प्रदेश

## (ग्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 14 जुलाई, 1987/23 ग्राषाढ़, 1909

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायतीं राज विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला-2, 14 जुलाई, 1987

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0(3)-2/76-1...-हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 (1970 का 19 वां ग्रिधिनियम) की धारा 55 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश जिला सिरमौर की विकास खण्ड पच्छाद तथा पांवटा की निम्नलिखित ग्राम पंचायतों को ग्रधिकमण (सपरसीड) करने का सहर्ष म्रादेश देते हैं, क्यों कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज म्रधिनियम, 1968 की धारा 10 (2) के प्रथम परन्तुक के र्गकाल 8-5-87 से समाप्त हो चका है जिसे ग्रीर ग्रागे नहीं बढाया जा सकता :-

अन्तगत	इन ग्राम	पचायता का कायकाल ठ ३ ० १	य सनान्य है। नैसर है रना अर्थ अर्थ महाना ना याया :
ऋम	सं0	पंचायत का नाम	विकास ख <sup>0</sup> ड का नाम
1. 2. 3.		बद्गीपुर भाटावली राजगढ़	पांवटा पांवटा पच्छाद
1501-राजपत्र/87-14-7-871,220.			(1095) मूल्यः 20 पैसे ।

राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 55(सी) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्राम पंचायतों की पुनःस्थापना तथा कार्य ग्रारम्भ करने के समय तक के लिए, ग्राम पंचायत बद्रीपूर तथा भाटावली के तहसीलदार पांवटा को तथा ग्राम पंचायत राजगढ़ के लिए तहसीलदार राजगढ़ को ग्राम पंचायत की पूर्ण शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन्हें निभाने हेतु प्रशासक नियुक्त करने का भी सहर्ष ग्रादेश देते हैं।

ग्रादेश द्वारह, हस्ताक्षरित/-सचित्र।